सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 09 DECEMBER TO 15 DECEMBER 2022 • VOLUME-21 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

ईश्वर के समक्ष केवल प्रार्थना ही ना करे बल्कि ध्यान भी लगाए। प्रार्थना में हम ईश्वर से बात करते हैं जबकि ध्यान में ईश्वर हमसे बात करते हैं।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

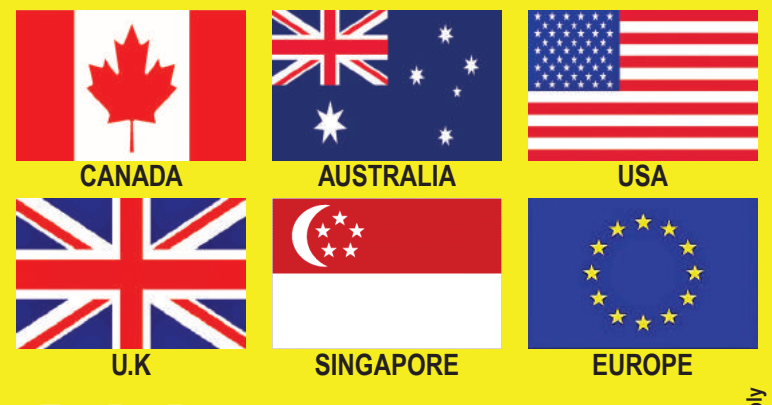

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

गुजरात में प्रचंड बहुमत से जीती बीजेपी, पीएम मोदी बोले- हिमाचल के विकास के लिए भी हमारी प्रतिबद्धता 100 प्रतिशत रहेगी

अहमदाबाद. गुजरात विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने रिकार्ड जीत हासिल की जबकि हिमाचल विधानसभा चुनावों में कांग्रेस से मात मिली। गुजरात में बीजेपी को 156, कांग्रेस को 17, आप को 5 व अन्य को 4 सीटों पर जीत मिली है। इसी तरह हिमाचल विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को 40, बीजेपी को 25 व अन्य को 3 सीटे मिली। वहीं आम आदमी पार्टी गुजरात में खाता तक नहीं खोल सकी।

गुजरात में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के मुख्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जनता के सामने नतमस्तक हूं। आभार जताते हुए पीएम ने कहा कि चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराए। हिमाचल की हार पर पीएम मोदी ने कहा कि मैं प्रदेश की जनता को कहना चाहता हूं कि भले ही हम 1 प्रतिशत से पीछे रह गए लेकिन उसके विकास और प्रगति में कोई रुकावट नहीं आने देंगे। हिमाचल की प्रगति के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता वैसे ही बनी रहेगी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि जनता जनार्दन का आशीर्वाद अभिभूत करने वाला है। जे. पी. नड्डा जी के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जो परिश्रम किया है उसकी खुशबू चारों तरफ महसूस कर सकते हैं। मैं गुजरात, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली की जनता का विनम्र भाव से आभार व्यक्त करता हूं। हिमाचल प्रदेश के चुनाव में एक प्रतिशत से भी कम अंतर से हार-जीत का फैसला हुआ है। इतने कम अंतर से हिमाचल प्रदेश में कभी नतीजे नहीं आए हैं। हिमाचल में हर 5 साल में सरकार बदली है लेकिन हर बार 5-7% के अंतर से सरकार बदली है। जहां भारतीय जनता पार्टी प्रत्यक्ष नहीं जीती, वहां भाजपा का वोट शेयर भाजपा के प्रति स्नेह का साक्षी है। मैं गुजरात, हिमाचल और दिल्ली की जनता का विनम्र भाव से आभार व्यक्त करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा के प्रति ये स्नेह देश के अलग-अलग राज्यों के उपचुनाव में भी दिख रहा है। उत्तर प्रदेश के रामपुर में भाजपा को जीत हासिल हुई है। बिहार के उपचुनावों में भाजपा का प्रदर्शन आने वाले दिनों का स्पष्ट संदेश है। हमारे पूर्वजों ने एक कहावत कही है, 'आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपया'।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि जब हम गुजरात के नतीजे देखते हैं तो यह जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व मिली है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को लेकर जिस अथक प्रयास के साथ गुजरात और देश की जनता की सेवा की वह हमें प्रचंड जीत में दिखती है। भाजपा ने गुजरात में 52.5% वोट और 156 सीट हासिल की, तो वहीं कांग्रेस 41.4% से घटकर 27.3% प्रतिशत पर आ गई है। वंशवाद, परिवारवाद, अकर्मण्य नेता व गैर जिम्मेदारना विपक्ष के कारण कांग्रेस की ये हालत हुई है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' इस मूलमंत्र को लेकर जिस अथक प्रयास के साथ प्रधानमंत्री मोदी जी ने गुजरात और देश की जनता की सेवा की है उसका परिणाम हमें इस प्रचंड जीत में दिखाई देता है।

हिमाचल प्रदेश की जनता को इस निर्णायक जीत के लिए दिल से धन्यवाद : राहुल गांधी

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहली प्रतिक्रिया दी। राहुल गांधी ने कहा, "हिमाचल प्रदेश की जनता को इस निर्णायक जीत के लिए दिल से धन्यवाद। सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को हार्दिक बधाई। आपका परिश्रम और समर्पण इस विजय की शुभकामनाओं का असली हकदार है। फिर से आश्वस्त करता हूं, जनता को किया हर वादा जल्द से जल्द निभाएंगे।" साथ ही राहुल गांधी ने गुजरात में मिली हार पर ट्वीट किया, "हम गुजरात के लोगों का जनादेश विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। हम पुनर्गठन कर, कड़ी मेहनत करेंगे और देश के आदर्शों और प्रदेशवासियों के हक़ की लड़ाई जारी रखेंगे। हिमाचल प्रदेश में रिवाज कायम रहा है और पांच साल बाद कांग्रेस ने सत्ता में वापसी की है। बीजेपी की हार के बाद मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने पद से इस्तीफा दे दिया है।

सभी देशवासियों को बधाई, आपकी आम आदमी पार्टी सिर्फ 10 साल में राष्ट्रीय पार्टी बन गई : अरविंद केजरीवाल

जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़/नई दिल्ली : "आप" के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी बनने पर सभी देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आपकी छोटी सी आम आदमी पार्टी सिर्फ 10 साल में आज राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। देश में चंद पार्टियों को ही राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा है, उनमें अब आपकी आम आदमी पार्टी भी शामिल हो गई है। गुजरात की जनता ने "आप" को राष्ट्रीय पार्टी बना दिया है। गुजरात बीजेपी का गढ़ माना जाता है। हम उसका किला भेदने में सफल हुए और हमें 13 फीसद के करीब वोट मिले हैं। इस बार हम किला भेदने में सफल हुए, अगली बार इस किले को जीतने में भी सफल होंगे। महज 10 साल पहले "आप" बनी थी। आज दो राज्यों में सरकार है और अब राष्ट्रीय पार्टी भी बन गई है, यह सुन लोग दांतों तले उंगली दबा लेते हैं। "आप" के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने पूरा कैंपेन बहुत पॉजिटिव चलाया। हमने केवल दिल्ली-पंजाब में किए अपने काम की चर्चा की और यही हमें दूसरी पार्टियों से अलग करता है। 75 साल से देश में गाली-गलौज, मारपीट और जाति-धर्म की राजनीति ही चलती रही है।

मुख्य सचिव द्वारा आवारा पशुओं की संभाल और प्रबंधन के लिए व्यापक योजना बनाने के निर्देश

आवारा पशुओं के साथ हादसाग्रस्त पीड़ितों को मुआवज़े की एक समान नीति बनाने के लिए कमेटी बनाने के लिए कहा

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

राज्य में खुले में घूमते आवारा पशुओं के कारण होते हादसों को गंभीरता से लेते हुये मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने इनके संभाल और प्रबंधन के लिए योजना बनाने और आवारा पशुओं से होते हादसों के पीड़ितों को उचित मुआवज़ा देने के लिए एक समान नीति बनाने के लिए कमेटी बनाने का फ़ैसला किया गया है। गुरुवार को यहां पंजाब सिवल सचिवालय में उच्च स्तरीय मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये मुख्य सचिव विजय कुमार जंजूआ ने स्थानीय निकाय, ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में खुलेआम घूमते आवारा पशुओं को शिनाख़्त करके उनको ख़ास वाहन के द्वारा नज़दीकी गौशालाओं के अंदर छोड़ने की व्यवस्था तैयार करें। उन्होंने प्रशासनिक सुधार विभाग को कहा कि कोई ऐसा ट्रेकिंग सिस्टम बनाया जाये जिसके द्वारा जीओ मैपिंग से पता लग सके कि आवारा पशु किस जगह घूम रहा है। इसलिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जा सकता है।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में आवारा पशुओं से होते हादसे बहुत ही चिंता का विषय है, इससे मानवीय जानें बेकार जाती हैं। आवारा पशुओं के रोकथाम के लिए सम्बन्धित विभाग के साथ मिल कर काम करें। इस दौरान मीटिंग में आवारा पशुओं से होते हादसों में जान गवाने वाले व्यक्तियों के परिवार को मुआवाज़ा राशि देने की नीति पर भी विचार किया गया। इस सम्बन्धी मुख्य सचिव की तरफ से वित्त कमिशनर ग्रामीण विकास एवं पंचायत, प्रमुख सचिव स्थानीय निकाय, प्रमुख सचिव पशु पालन, प्रमुख सचिव परिवहन और ए. डी. जी. पी. ट्रैफिक की कमेटी बनाने का फ़ैसला किया जिससे उपयुक्त मुआवज़ा देने के लिए एकसमान नीति बनाई जा सकी।

लोकसभा में उठा धर्मांतरण का मुद्दा, गजेंद्र शेखावत ने ली अधीर रंजन पर चुटकी

नई दिल्ली. संसद के शीतकालीन सत्र का आज दूसरा दिन था। दूसरे दिन संसद में सामान्य कार्य हुए। हालांकि, आज चुनावी नतीजों का दिन था। इसलिए ज्यादातर नेताओं का ध्यान चुनावी परिणामों पर ही रहा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को साफ तौर पर कहा है कि लोकसभा अध्यक्ष के बारे में ट्विटर पर कुछ नहीं लिखना चाहिए। इसके अलावा शिवसेना की ओर से महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद का मुद्दा राज्यसभा में उठाने का प्रयास किया गया। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस के चुनावी हार को लेकर अधीर रंजन चौधरी की चुटकी ली। लोकसभा में भाजपा के एक सदस्य ने धर्मांतरण का मुद्दा उठाया है। दूसरी और वन्य जीवन संरक्षण संशोधन विधेयक को संसद की मंजूरी मिल गई है।

गुजरात में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन के बीच केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी से चुटकी लेते हुए कहा कि उन्हें नदियों से नुकसान के बजाय अपनी पार्टी के खराब प्रदर्शन के बारे में सोचना चाहिए। जल शक्ति मंत्री शेखावत प्रश्नकाल में चौधरी के एक पूरक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। सरकार ने बृहस्पतिवार को बताया कि देश में इस वर्ष एलपीजी कनेक्शन की संख्या 32.5 करोड़ हो गई जो वर्ष 2014 में 14 करोड़ थी। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने बताया कि

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों में जागरूकता फैलाने एवं एलपीजी के उपयोग को बेहतर बनाने के लिये सरकार और तेल विपणन कंपनियों ने देशभर में एलपीजी पंचायत, सोशल मीडिया पर अभियान एवं सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किये हैं। भारतीय रेलवे अगले तीन वर्षों में 100 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल विकसित करेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के टर्मिनल का विकास 'गति शक्ति कार्गो टर्मिनल नीति' के तहत किया जाएगा।

भाजपा के सांसद सुनील कुमार सिंह ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में धर्मांतरण का मुद्दा उठाया और इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि इसके कारण आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। लोकसभा में नियम 377 के तहत उठाये जाने वाले मुद्दे के माध्यम से सिंह ने कहा कि धर्मांतरण समाज और देश की दिशा को बदल रहा है।

मुख्यमंत्री द्वारा शहीद सिपाही मंदीप सिंह के परिवार को दो करोड़ रुपए देने का ऐलान

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

ड्यूटी के दौरान गुरूवार को शहीदी प्राप्त करने वाले पंजाब पुलिस के सिपाही मन्दीप सिंह की मौत पर दुख प्रकट करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शहीद की शहादत के सम्मान के तौर पर परिवार को दो करोड़ रुपए देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिपाही मन्दीप सिंह ने नकोदर में अपनी ड्यूटी निभाते हुए शहीदी प्राप्त की थी। उन्होंने कहा कि इस दो करोड़ रुपए में एक करोड़ रुपए राज्य सरकार की तरफ से एक्स-ग्रेशिया के तौर पर दिए जाएंगे, जबकि एक करोड़ रुपए बीमे की अदायगी के तौर पर एच.डी. एफ.सी. बैंक द्वारा दिए जाएंगे। भगवंत मान ने कहा कि यह पहल राज्य में कानून-व्यवस्था को कायम रखने के लिए बलिदान देने वाले धरती माँ के इस सपूत के कीमती

योगदान को सम्मान भेंट करने के लिए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृभूमि के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले सैनिकों के परिवारों की मदद करना राज्य सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि शहीद मन्दीप सिंह के परिवार को वित्तीय सहायता राज्य सरकार द्वारा सैनिकों (सशस्त्र बलों, अर्ध सैनिक बलों और पुलिस) और उनके परिवारों के कल्याण को सुनिश्चित बनाने की प्रतिबद्धता के अनुसार है। उन्होंने आशा अभिव्यक्त की कि राज्य द्वारा किया गया यह विनम्र सा प्रयास एक ओर पीड़ित परिवार की मदद करने और दूसरी ओर उनके भविष्य को सुरक्षित करने में सहायक सिद्ध होगा।

नकोदर में कपड़ा व्यापारी व उसके सुरक्षा गार्ड की हत्या को लेकर सरकार पर बरसी कांग्रेस

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस ने लोगों की जान और माल की सुरक्षा करने में विफल रही राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार की निंदा की है। पार्टी बीती रात नकोदर में एक कपड़ा व्यापारी और उसके सुरक्षा गार्ड की हत्या पर प्रतिक्रिया जाहिर कर रही थी। हत्याओं पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पंजाब में जंगलराज कायम हो चुका है और अपराधी व गैंगस्टर कानून के किसी तरह के डर के बगैर अपने टारगेट्स तय करके वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

उन्होंने पीड़ित परिवारों के साथ सहानुभूति भी प्रकट की है। उन्होंने कानून और व्यवस्था की विफलता व लोगों की जान और माल की रक्षा करने में विफल रही सरकार पर बरसते हुए कहा कि पंजाब में डर का माहौल बना हुआ है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। वह उम्मीद करते हैं कि आप नेतृत्व गुजरात और हिमाचल प्रदेश से फारिग होने के बाद अब शासन चलाने की गंभीरता को समझेगा। जिन्होंने इन दोनों राज्यों में समय और संसाधनों की बर्बादी को लेकर पार्टी पर चुटकी भी ली।

पीआईबी चंडीगढ़ ने हरियाणा के नूंह में एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला – 'वार्तालाप' का आयोजन किया

मीडिया सरकारी योजनाओं और नीतियों पर एक प्रमुख फीडबैक एग्रीगेटर : राजेंद्र चौधरी

जालंधर ब्रीज: हरियाणा के नूंह जिले में पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) चंडीगढ़ द्वारा आज आयोजित मीडिया कार्यशाला "वार्तालाप" में भाग लेने के दौरान पीआईबी चंडीगढ़ के अपर महानिदेशक राजेंद्र चौधरी ने कहा, "मीडिया सरकारी योजनाओं और नीतियों पर एक प्रमुख फीडबैक एग्रीगेटर है।" कार्यशाला का आयोजन आम नागरिकों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में पत्रकारों को जागरूक करने के लिए किया गया था। "वार्तालाप" शीर्षक वाली यह कार्यशाला सूचना और प्रसारण मंत्रालय की मीडिया आउटरीच रणनीति का हिस्सा है और पत्रकारों को सरकार की योजनाओं और नीतियों के बारे में प्रामाणिक जानकारी के साथ सशक्त बनाकर जनता और सरकार के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए संकल्पित है। राजेंद्र

चौधरी ने कहा कि पत्रकारों को सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा साझा की गई जानकारी का लाभ उठाना चाहिए और विकास के संदेश को जनता के बीच प्रचारित करने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर पीआईबी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की अन्य संबद्ध मीडिया इकाइयों के कामकाज के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति देते हुए पीआईबी फैक्ट चेक के बारे में भी बात की, जो फर्जी खबरों को नकारने में मदद कर सकता है। इस कार्यक्रम में नूह के उपायुक्त अजय कुमार, आईएएस और अतिरिक्त उपायुक्त सुश्री रेणु सोगन, आईएएस भी शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए अजय कुमार ने कहा कि एनईपी एक गेम चेंजर है जिसे पहुंच, इक्विटी, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के पांच स्तंभों पर बनाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि नई शिक्षा नीति बच्चे की रुचि के आधार पर कई विषयों के संयोजन की अनुमति देकर बच्चे के समग्र विकास का अवसर प्रदान करती है। मीडिया के एक अनुरोध का जवाब देते हुए, उन्होंने आश्वासन दिया कि वे नियमित रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस करना शुरू करेंगे।

एडीसी रेणु सोगन ने भी मीडिया को संबोधित किया और सभी विकासात्मक संकेतकों में जिले को आगे ले जाने के लिए जनता में सूचना के प्रचार-प्रसार के माध्यम से उनकी भागीदारी के लिए अनुरोध किया। बाद में, पत्रकारों के साथ एक रोचक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। उनसे 'वार्तालाप' में सुधार के लिए इनपुट और सुझाव लेकर एक व्यापक प्रतिक्रिया भी एकत्र की गई। मीडिया कार्यशाला में शहर के लगभग 40 पत्रकारों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

एफएलएन समन्वयक कुसुम मलिक ने नई शिक्षा नीति के बारे में बताया। उन्होंने संवाददाताओं से स्कूलों में उच्च ड्रॉपआउट दर के मुद्दे की ओर स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए भी कहा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे प्रारंभिक शिक्षा एक इंसान के लिए बुनियादी बिल्डिंग ब्लॉक है। और कैसे सरकार ड्रॉपआउट अनुपात को कम रखने की कोशिश कर रही है।

ठंड में घूमने जा रहे हैं मसूरी, मनाली या शिमला, तो जाने से पहले इन बातों को जरूर याद रखें

INDIAN DESTINATION

सर्दियों में घूमना अच्छा तो लगता है लेकिन इसके भी काफी चैलेंज होते हैं। आप भी अगर विंटर में घूमने निकल रहे हैं, तो आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

• **जालंधर ब्रीज.** ट्रैवल न्यूज

ज्यादातर लोगों को गर्मियों की बजाय सर्दियों में घूमना अच्छा लगता है। सर्दियों में घूमना अच्छा तो लगता है लेकिन इसके भी काफी चैलेंज होते हैं। आप भी अगर विंटर में घूमने निकल रहे हैं, तो आपको कुछ बातों पर ध्यान जरूर देना चाहिए। कभी-कभी ऐसा होता है कि हम ट्रिप पर जाने के लिए टिकट, होटल और यहां तक की डेस्टिनेशन्स तक लिस्टेड कर लेते हैं लेकिन कुछ छोटी गलतियां हम पर भारी पड़ जाती है। आप जिस शहर में रहते हैं, वहां की ठंड सहने की आपको आदत पड़ जाती है। ऐसे में कहीं और जाने पर ठंड कुछ ज्यादा ही लगती है और एडजेस्ट करने में भी दिक्कत होती है इसलिए हिल स्टेशन्स पर जाते समय आपको कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए।

जैकेट और गरम कपड़े पैक करें

हिल स्टेशन्स पर दोपहर के मौसम में ज्यादा ठंड महसूस नहीं होती लेकिन सुबह और शाम ठंड बढ़ने लग जाती है, इसलिए आपको पैकिंग करते वक्त हमेशा अपने बैग में जैकेट और गरम कपड़े जरूर कैरी करने चाहिए।

फर्स्ट एड किट

फर्स्ट एड किट का यह मतलब नहीं है कि आप पूरा बॉक्स ही कैरी करें, बल्कि आप कुछ जरूरी चीजों जैसे सिरदर्द, फीवर आदि की दवाइयां ले सकते हैं। साथ ही चोट पर लगाने के लिए बैंडेज, क्रीम लगाएं।

अच्छी क्वालिटी के फुटवेयर

हिल स्टेशन्स पर जा रहे हैं, तो आपको अच्छी क्वालिटी के फुटवेयर जरूर कैरी करने चाहिए। फैंसी सैंडल या स्लीपर्स ले जाने से बचें क्योंकि इससे आपको चलने में बहुत ही परेशानी होगी, इसलिए अच्छी क्वालिटी के फुटवेयर ही लेकर जाएं। हिल स्टेशन्स पर पहुंचना कभी-कभी बहुत ही मुश्किल हो सकता है। खासकर बस की टाइमिंग बहुत ही लेट हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि आप पैक्ड फूड और पानी लेकर जरूर जाएं, जिससे कि आपको भूखा-प्यासा न रहना पड़े। गाड़ी खराब होने जैसी कई प्रॉब्लम्स के बीच यह ट्रिक बहुत ही हेल्पफुल है।

KNOWLEDGE+

देश के सबसे पढ़े लिखे शख्स बाबा साहेब भगवदगीता के घोर आलोचक क्यों थे?

31 मार्च 1950 को उस दौर के दिग्गज उद्योगपति घनश्याम दास बिड़ला के बड़े भाई जुगल किशोर बिड़ला बाबा साहेब से मिलने के लिए उनके घर गए। बिड़ला ने बाबा साहेब से पूछा कि आपने भगवतगीता की आलोचना क्यों की तो उन्होंने इसकी वजह भी बताई।

बाबा साहेब अम्बेडकर अपने दौर के सबसे पढ़े-लिखे इंसानों में से एक थे। उन्होंने मुंबई के मशहूर एलफ़िंस्टन कॉलेज से बीए किया और और लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स से पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। उन्हें पुस्तकों से इतना लगाव रहा है कि चर्चित किताब 'इनसाइड एशिया' के लेखक जॉन गुंथेर लिखते हैं, 1938 में जब राजगृह में मेरी मुलाक़ात बाबा साहेब अम्बेडकर से हुई तो उनके पास 8 हजार किताबे थीं और उनकी मौत के दिन तक किताबों की संख्या 35,000 हो चुकी थी।

चेन्नई से छपने वाले 'जयभीम' के 13 अप्रैल, 1947 के अंक में करतार सिंह पोलोनियस ने लिखा, जब मैं बाबा साहेब से मिलता तो पूछा कि आप इतनी किताबें कैसे पढ़ लेते हैं तो उनका कहना था कि लगातार किताबें पढ़ने से यह अनुभव हो गया है कि कैसे इसके मूलमंत्र को आत्मसात करके फिजूल की चीजों को किनारा किया जाए।

जब पैर छूने पर बोले- टॉमी ये मत करो

बाबा साहेब के एक अनुयायी नामदेव निमगड़े ने अपनी क़िताब 'इन द टाइगर्स शैडो: द ऑटोबायोग्राफी ऑफ एन आंबेडकराइट' में लिखा कि जब मैंने उनसे पूछा कि इतने लंबे समय तक पढ़ने के कारण आप खुद को कैसे रिलैक्स रखते हैं। उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा- मेरे रिलैक्स होने का मतलब है एक किताब को छोड़कर दूसरी किताब पढ़ना।

वह लिखते हैं कि रात को किताबें पढ़ते समय बाबा साहेब इतने मग्न हो जाते थे कि बाहर की दुनिया में क्या हो रहा है उन्हें उसका ख्याल तक नहीं रहता था। एक दिन मैं देर रात में उनके स्टडी रूम में गया। उनके पैर छुए। उस वक्त तो हमेशा की तरह किताब पढ़ने में मग्न थे। किताब पढ़ते हुए बोले, टॉमी ये मत करो। लेकिन जब उन्होंने नजर उठाई तो झेंप गए। वो इस कदर किताब में खोए हुए थे कि मेरे पैर छूने को कुत्ते का स्पर्श समझ लिया।

करतार सिंह के मुताबिक, तीन किताबों ऐसी भी रहीं जिसका बाबा साहेब पर सबसे ज्यादा असर हुआ। इसमें पहली थी,'लाइफ़ ऑफ़ टॉलस्टाय'। दूसरी- विक्टर ह्यूगो की 'ले मिज़राब्ल' और तीसरी थॉमस हार्डी की 'फ़ार फ्रॉम द मैडिंग क्राउड।' ये तीनों ही किताबें उन्हें इस हद तक पसंद थीं कि वो इन्हें रात में पढ़ना शुरू करते थे और सुबह तक इसमें लीन रहते थे।

भगवदगीता की आलोचना क्यों की?

बाबा साहेब के सहयोगी शंकरानंद शास्त्री ने किताब 'माई एक्सपीरिएंसेज़ एंड मेमोरीज़ ऑफ़ डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर' में लिखा कि 31 मार्च 1950 को उस दौर के दिग्गज उद्योगपति घनश्याम दास बिड़ला के बड़े भाई जुगल किशोर बिड़ला बाबा साहेब से मिलने के लिए उनके घर गए। बिड़ला ने बाबा साहेब से पूछा कि आपने मद्रास में हजारों लोगों की भीड़ के सामने भगवदगीता की आलोचना क्यों की। गीता तो हिन्दुओं की धार्मिक किताब है। इसकी आलोचना करने की जगह आपको हिन्दू धर्म को मजबूत बनाना चाहिए।

बाबा साहेब ने इस सवाल का जवाब दिया। कहा- मैंने भगवदगीता की आलोचना इसलिए की क्योंकि इसमें समाज को बांटने की शिक्षा दी गई है। बाबा साहेब का मानना था कि यह बांटने का काम करती है। उन्होंने मद्रास में पेरियार के सामने गीता की आलोचना की थी।

बिना ओवन के भी घर पर बना सकते हैं टेस्टी क्रिसमस केक, बस फॉलो करने होंगे ये टिप्स

अगर आप केक खाने के शौकीन हैं लेकिन घर पर ओवन न होने की वजह से आपको हर बार केक बाजार से खरीदकर ही खाना पड़ता है। जिसका असर आपकी जेब पर भी पड़ता है तो टेंशन छोड़ केक बनाने के इस विधि को अपनाएं...

अगर आप केक खाने के शौकीन हैं लेकिन घर पर ओवन न होने की वजह से आपको हर बार केक बाजार से खरीदकर ही खाना पड़ता है। जिसका असर आपकी जेब पर भी पड़ता है तो टेंशन छोड़ केक बनाने के इस तरीके को फॉलो करें। जी हां, कहने का मतलब यह है कि आप बिना ओवन के भी घर पर प्रेशर कुकर की मदद से बाजार जैसा सॉफ्ट और टेस्टी चॉकलेट केक बना सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

चॉकलेट केक बनाने के लिए

आवश्यक सामग्री-

- 2 से 3 कप कटी हुई डार्क चॉकलेट
- तीन कप कंडेंस्ड मिल्क
- तीन चौथाई कप मैदा
- एक कप कटी हुई अखरोट
- 1 टीस्पून वैनिला एसेंस
- चिकनाई के लिए बटर

इस तरह बनाए चॉकलेट केक-

चॉकलेट केक बनाने के लिए सबसे पहले चॉकलेट और मक्खन को हल्की आंच पर रखते हुए 2 टीस्पून पानी डालकर मिलाएं। अब इसे आंच से नीचे उतारकर कंडेंस्ड दूध डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद इसमें कटे हुए अखरोट और वैनिला एसेंस डालकर अच्छे से घोले। इसके बाद तैयार मिश्रण को 8 चिकनाई वाले मफिन सांचो में डालकर ठंडा होने दें। अब प्रेशर कुकर को गर्म करके बिना सिटी लगाए तीन-चार मिनट तेज आंच पर गर्म करें। ध्यान रखें, इस दौरान कुकर से सीटी न आए। अब गैस की आंच धीमी आंच करके केक को 30 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इसे ठंडा कर मफिन को सांचो से बाहर निकालकर परोसें।

ब्लू जालीदार ड्रेस पहनकर मानुषी छिल्लर ने उड़ाए होश

एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर के फैंशन सेंस के लोग दीवाने हैं। फैंस उनकी फोटो और ड्रेसिंग को लेकर काफी एक्साइटेड रहते हैं। अब मानुषी छिल्लर ब्लू जालीदार ड्रेस पहनकर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं।

पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर को सोशल मीडिया की फैशन क्वीन कहा जाता है। फैंस उनकी एक्टिंग और फैशन दोनों के दीवाने हैं। मानुषी ने अपने फैशन फोटोशूट से फैंस को अपना दीवाना बना दिया है। सोशल मीडिया पर मानुषी की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। अब मानुषी की डार्क ब्लू शिमर स्टाइल की ड्रेस काफी ग्लैमरस रह रही है। उनके फैंस को ये फोटो काफी पसंद आ रही हैं और कमेंट्स आ रहे हैं।

मानुषी ने बेहद खास शिमरी रॉयल ब्लू गाउन पहना है। जिसे स्लिप डिटेल्स और सिल्वर रेशम के धागों से सजाया गया था। ये गाउन नाइट पार्टी के लिए एक शानदार ड्रेस है। मानुषी छिल्लर ने फैशन डिजाइनर फाल्गुनी शेन पीकॉक के लिए म्यूज और डिजाइनर के शेल्फ से एक शीयर ब्लू गाउन पहना अपने स्टाइल के लिए चुना है। मानुषी के बार उनके लुक में चार-चांद लगा रहे हैं। बालों को लहराते हुए मानुषी ने कैमरे के लिए जमकर पोज दिए। मानुषी ने हल्के वेवी कर्ल कराए हुए हैं, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं। मानुषी ने ब्लू ग्लैमरस ड्रेस के साथ मिनिमल मेकअप किया हुआ है। उनकी आंखों को आईशेडो का लुक और भी खूबसूरत बना रहा है। मानुषी ने ड्रेस के साथ मैचिंग हाई हील कैरी की है।

कफ से तुरंत राहत पाने के लिए अपनाएं शहद-लौंग का ये नुस्खा

HEALTH+

सर्दी के मौसम में सर्दी-जुकाम की समस्या काफी होती है। ज्यादातर लोग कफ के कारण परेशान रहते हैं। ऐसे में आप इस लौंग-शहद के नुस्खे को अपनाएं।

हर बदलते मौसम में खांसी-जुकाम हो ही जाता है। खांसी बैक्टीरियल या वायरल इन्फेक्शन, ऐलर्जी, साइनस इन्फेक्शन या ठंड के कारण हो सकती है लेकिन हमारे देश में हर परेशानी के लिए लोग डॉक्टरों के पास नहीं जाते। इन सभी कॉमन परेशानियों के लिए आप घरेलू नुस्खों को अपना सकते हैं। अगर आपको कफ की समस्या हो रही है तो आप घर पर लौंग-शहद के नुस्खे को अपना सकते हैं।

शहद-लौंग का नुस्खा

सर्दी के मौसम में कफ से छुटकारा पाने के लिए आपको चाहिए शहद, लौंग और इलायची की जरूरत होगी। इसके लिए सबसे पहले लौंग और इलायची को अच्छे से आंच पर जला लें। फिर इसे कूटनी में डालकर अच्छे से कूट लें। फिर इसमें शहद मिक्स करें और फिर इसे खाएं। दिन भर में कम से कम 2-3 बार इसे खाएं। शहद में कई एंटी-फंगल और एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं। जब कई एंटीबायोटिक दवाओं को खाने के बाद भी आराम नहीं मिलताल तो शहद के घरेलू नुस्खे खूब काम आते हैं।

ये चीजें भी आएंगी काम

- सर्दियों के मौसम में अगर आपको सर्दी या जुकाम हो गया है तो इससे छुटकारे के लिए गर्म पानी पीएं।
- अदरक की चाय भी आप दिन में दो या तीन बार पी सकते हैं। इससे आपके गले को आराम मिलेगा।
- चाहें तो गर्म पानी में कच्ची हल्दी डालकर गरारे कर सकते हैं।
- कफ होने पर आधा चम्मच काली मिर्च को देसी घी के साथ मिलाकर खाएं। इससे आपको खूब आराम मिलेगा।
- लहसुन को घी में भून लें और गर्म रहते हुए ही खाएं।

जी-20 भारत : महिलाओं के लिए समान और निष्पक्ष समाज बनाने का आह्वान

जालंधर ब्रीज. वूमन 20 एक आधिकारिक जी-20 कार्य समूह (या इंगेजमेंट ग्रुप) है, जिसकी स्थापना 2015 में तुर्की की अध्यक्षता के दौरान की गई थी। इसका उद्देश्य महिलाओं से संबंधित सरोकारों का जी-20 के विमर्शों में समावेशन और जी-20 नेताओं के घोषणा पत्र में नीतियों और प्रतिबद्धताओं के रूप में परिलक्षण सुनिश्चित करना है, जो महिलाओं और पुरुषों में समानता और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को प्रोत्साहन दे सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत ने महिलाओं के लिए सहयोगपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। डब्ल्यू-20 इंडिया, जी-20 की भारत की अध्यक्षता को "समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्य-उन्मुख" बनाने के संबंध में माननीय प्रधानमंत्री के विज़न को आगे ले जाने का प्रयास करेगा। भारत अगले एक वर्ष में यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि प्रधानमंत्री की योजना के अनुसार, नए विचारों की परिकल्पना करने और सामूहिक कार्रवाई में तेजी लाने के लिए जी-20 वैश्विक स्तर पर 'प्रमुख प्रवर्तक' के रूप में कार्य करे।

डब्ल्यू -20 इंडिया का विज़न एक ऐसे समान और निष्पक्ष समाज का निर्माण करना है, जिसमें महिलाएं गरिमापूर्ण तरीके से रह सकें। इस उद्देश्य को हासिल करने में सहायता करने के लिए हमारा मिशन महिलाओं के नेतृत्व में विकास की समस्त बाधाओं को दूर करने तथा महिलाओं के लिए सहयोगपूर्ण वातावरण और इकोसिस्टम सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करता है, ताकि महिलाएं समृद्ध बन सकें, श्रेष्ठ बन सकें तथा अपने साथ ही साथ अन्य लोगों के जीवन में भी बदलाव ला सकें।

यह कार्य समूह कार्रवाई योग्य एवं प्रभावपूर्ण वक्तव्य तैयार करने के लिए हितधारकों के साथ समावेशी विचार-विमर्श को सुगम बनाएगा। इसके अलावा, यह वैविध्यपूर्ण और अंतरवर्गीय हितों के संपूर्ण प्रतिनिधित्व की जरूरत को सबसे आगे रखते हुए डब्ल्यू-20 की सिफरिशों को जी-20 वार्ताओं- और अंतत: जी-20 नेताओं के घोषणापत्र तक पहुंचाएगा। हमारा उत्तरदायित्व है कि हम महिला उद्यमियों के साथ जी-20 की सक्रिय संबद्धता बढ़ाते हुए और महिला-पुरुष समानता को बढ़ावा देने वाली नीतियों के प्रति संकल्पबद्धताओं को रेखांकित करते हुए महिलाओं की प्रमुख समस्याओं के बारे में सर्वसम्मति कायम करें। एक समूह होने के नाते, हम अध्यक्षताओं के बीच डब्ल्यू-20 एजेंडे की निरंतरता सुनिश्चित करते हुए सशक्त डब्ल्यू-20 के वैश्विक और राष्ट्रीय नेटवर्क की स्थापना करने की दिशा में प्रयासरत हैं।

जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान डब्ल्यू-20 चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा :

- जमीनी स्तर पर महिलाओं का नेतृत्व निर्माण
- महिला उद्यमिता
- महिलाओं और पुरुषों में डिजिटल डिवाइड को दूर करना
- शिक्षा और कौशल विकास के जरिए रास्ते बनाना

इन प्राथमिकताओं को रेखांकित करने के लिए डब्ल्यू-20 की रणनीति के अंतर्गत 4 सी दृष्टिकोण - मिलकर कार्य करना, सहयोग करना, वार्ता करना और सर्वसम्मति कायम करना तथा कार्रवाई करने का आह्वान शामिल होगा। हम महिलाओं की समस्याओं से संबंधित विविध हितधारकों को समाविष्ट, शामिल और संलग्न करेंगे।

डॉ. संध्या पुरेचा, अध्यक्ष डब्ल्यू-20 एवं धारित्री पटनायक, मुख्य समन्वयक, डब्ल्यू-20 सचिवालय

हितधारक : हमारे प्राथमिक हितधारकों में जमीनी स्तर की जनजातीय, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं के साथ ही साथ खेती-बाड़ी करने वाली, अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाली, कारीगर और हथकरघा तथा हस्तशिल्प क्षेत्र में काम करने वाली महिलाएं, महिला उद्यमी, आंगनवाड़ी कामगार और पीआरआई आदि शामिल हैं। डब्ल्यू-20 अपने विद्यार्थी आउटरीच कार्यक्रमों के लिए अकादमिक और अनुसंधान संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करेगा, साथ ही साथ श्वेत पत्र, नीतिगत सारंश और अनुसंधान पत्र जैसे जानकारी देने वाले दस्तावेज (नॉलेज प्रोडक्ट) तैयार करेगा। डब्ल्यू-20 को चर्चा का समावेशी और वैविध्यपूर्ण मंच बनाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महिला सिविल सोसायटी फोरम, स्थानीय गैर सरकारी संगठन, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां, आईएलओ, वाणिज्य मंडल आदि को शामिल किया जाएगा।

जन आंदोलन एवं जन जागृति; गली टू दिल्ली : गांवों और शहरों में सिलसिलेवार बैठकों और कार्यक्रमों के जरिए, डब्ल्यू -20 समाज के सभी वर्गों की महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करेगा। डब्ल्यू-20 के बारे में जागरूकता फैलाने और कार्य समूह द्वारा तैयार किए जाने वाले नीतिगत सारांशों और वक्तव्यों में नागरिकों की आवाज को शामिल करने के लिए गांवों में चौपाल की बैठकें आयोजित की जाएंगी। प्रस्ताव पारित करने के लक्ष्य के साथ ग्राम सभा के स्तरों पर बैठकें की जाएंगी, जिससे ग्राम स्तर पर सहयोगपूर्ण वातावरण सुनिश्चित होगा। इसके अलावा डब्ल्यू-20 के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के समर्थन में देश भर में पोस्ट कार्ड अभियान चलाए जाएंगे, जो बदले में नीति निर्माताओं और नीतिगत परिणामों को प्रभावित करेंगे।

इसके अलावा, भारत की समृद्ध संस्कृति और धरोहर को दर्शाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ बड़े पैमाने पर चार विश्व-स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इनमें शास्त्रीय नृत्यों की प्रस्तुतियां, साथ ही साथ नेनो उद्यमियों और स्थानीय व्यंजनों की प्रस्तुति सहित हथकरघा और हस्तशिल्प मेले का आयोजन किया जाएगा। प्रथम बैठक 13-15 फरवरी, 2023 को औरंगाबाद में आयोजित होगी।

महिला उद्यमिता : डब्ल्यू-20 का एजेंडा, विशेष तौर पर लक्ष्य 8.3 (एसडीजी) में उद्यमिता और गरिमापूर्ण कार्य के महत्व को मान्यता देता है, जिसमें कहा गया है -"उपयोगी गतिविधियों, गरिमापूर्ण रोजगार के सृजन, उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार में सहायता देने वाली तथा सूक्ष्म, लघु और मझौले आकार के उद्यमों की स्थापना और विकास को प्रोत्साहन देने वाली वित्तीय सेवाओं तक पहुंच के जरिए विकासोन्मुखी नीतियों को बढ़ावा देना।" डब्ल्यू-20 उद्यमियों, स्टार्टअप यूनिकॉर्न, नेनो और सूक्ष्म उद्यमियों के साथ संवाद और परामर्श करेगा और उनकी सिफारिशों को रेखांकित करेगा।

वैश्विक सर्वसम्मति बनाना : महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण, विश्व में निवेश, बड़े उभरते बाजारों, प्रतिभाशाली समूहों और जनसांख्यिकीय लाभांश के सर्वाधिक आशाजनक क्षेत्रों में से एक है, जिसका उपयोग किया जाना बाकी है। डब्ल्यू-20 सुशासन, आर्थिक विकास, गरीबी और भूख मिटाने, खाद्य सुरक्षा और सबके लिए पोषण हासिल करने, सतत उपभोग और उत्पादन की परिपाटियों, पर्यावरणीय टिकाऊपन को प्राथमिकता देने तथा समग्र रूप से एसडीजी हासिल करने में फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर वैश्विक सर्वसम्मति बनाने का कार्य करेगा। व्यापार, सरकार, महिला और सिविल सोसायटी सहित समस्त हितधारकों के लिए कार्रवाई करने के सार्वभौमिक आह्वान के रूप में डब्ल्यू-20 एजेंडा साझा प्रयासों के लिए प्राथमिकताएं स्पष्ट करता है, ताकि हाशिए पर मौजूद वर्गों की महिलाओं समेत समस्त महिलाएं आर्थिक वृद्धि और विकास के लाभ साझा कर सकें, कोई भी पीछे छूटने न पाए।

डब्ल्यू-20, जी-20 और डब्ल्यू-20 त्रोइका पर ध्यान केंद्रित करेगा और डब्ल्यू-20 की प्राथमिकताओं और कार्य की निरंतरता सुनिश्चित करेगा।

रोल मॉडल और महिला मार्गदर्शक : महिलाओं ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और अनेक क्षेत्रों की उपलब्धियों में अपार योगदान दिया है। डब्ल्यू-20 महिलाओं को कुछ हासिल करने के लिए प्रेरित करने में समर्थ रोल मॉडलों की पहचान करेगा।

सरकार और सिविल सोसायटी की परिवर्तनकारी योजनाएं और कार्यपद्धतियां : महिलाओं के लिए काम करने वाले गवर्नेंस के मॉडलों को समझने के लिए सरकारी योजनाओं का विश्लेषण करना डब्ल्यू-20 की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। उदाहरण के लिए, मध्य प्रदेश की लाडली लक्ष्मी योजना का उपयोग सरकार और सिविल सोसायटी की अच्छी कार्यपद्धतियों को दर्शाने के लिए एक केस-स्टडी के रूप में किया जा सकता है।

डॉ. संध्या पुरेचा, अध्यक्ष के रूप में डब्ल्यू-20 कार्य समूह की अगुवाई कर रही हैं। इस कार्यसमूह में भारतीय प्रतिनिधियों/प्रतिभागियों के रूप शामिल प्रमुख महिलाओं में डॉ. ज्योति किरण शुक्ला, प्रो. शमिका रवि, भारती घोष, रवीना टंडन और डब्ल्यू-20 सचिवालय (फिक्की एफएलओ) की मुख्य समन्वयक के रूप में धारित्री पटनायक शामिल हैं। अमूल इस कार्य समूह का संस्थागत साझेदार है।

दिवालिया होने की कगार पर पहुंची टोयोटा ऐसे बनी दुनिया में सबसे ज्यादा कार बेचने वाली कंपनी

जालंधर ब्रीज. हाल में भारतीय कारोबारी और टोयोटा किर्लोस्कर के वाइस चेयरमैन विक्रम एस किर्लोस्कर का निधन हो गया। भारत में टोयोटा कारों को लाने का श्रेय इन्हीं को जाता है। जापान की कार बनाने वाली कंपनी टोयोटा मोटर कॉर्प के नाम कई रिकॉर्ड रहे हैं। जैसे- दुनिया में सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों का ब्रैंड। यह रिकॉर्ड 2020 में बना। 100 साल पुरानी टोयोटा ने यूं ही नहीं नाम कमाया। इसके पीछे का सफर काफी दिलचस्प रहा है। टोयोटा की शुरुआत उस भूकंप से प्रेरित रही जो 1 सितंबर 1923 को आया था। इसका जिक्र प्रदीप ठाकुर ने अपनी किताब टोयोटा सक्सेस स्टोरी में किया है। जानिए, कैसे हुई टोयोटा की शुरुआत और सफलता का इतिहास रच दिया...

किइचिरो ने 1932 में बनाया प्रोटोटाइप मॉडल : 1923 में जापान में आए भूकंप ने तबाही मचाई थी। उस दौर में लोगों की जान बचाने के लिए कारों का इस्तेमाल किया जा रहा था। उस समय वहां के लोगों में कारों के लिए रूझान बढ़ रहा था। इस घटना के बाद से वहां कार इंडस्ट्री ने रफ्तार पकड़ी थी। टोयोटा के संस्थापक किइचिरो को बचपन से ही कार बनाने में काफी दिलचस्पी रही है। 1932 में उन्होंने कार का प्रोटोटाइप मॉडल AA 1932 बनाया। इसके बाद उन्होंने कारों को असेंबल करना शुरू किया।

संख्या नहीं क्वालिटी पर ध्यान दिया : 1936 में किइचिरो ने टोयोटा की नींव रखी। 1951 में कंपनी ने पहली बार लैंड क्रूजर मॉडल पेश किया। यह दुनियाभर में पॉपुलर हुआ। यह वो दौर था जब कंपनी हर माह मात्र 500 कारों का उत्पादन कर पा रही थी। टोयोटा ने अपने शुरुआती दौर में कारों की मैन्युफैक्चरिंग से ज्यादा उसकी क्वालिटी पर फोकस किया। इसके साथ ही गाड़ियों की लागत को कम से कम रखने पर ध्यान दिया। नतीजा धीरे-धीरे टोयोटा एक बड़े ब्रैंड के तौर पर उभरा। साल दर साल उत्पादन बढ़ा।

जब छंटनी करनी पड़ी और हड़ताल शुरू हुई : दूसरे विश्व युद्ध के दौरान टोयोटा की हालात खराब हुई। निर्माण इस हद तक प्रभावित हुआ कि कंपनी को दिवालिया होने की अर्जी तक देनी पड़ी। हालांकि हालात का सामना करने के लिए किइचिरो ने एक उपाय ढूंढा। उन्होंने बैंकों के साथ एक डील की। बैंक ने भी कड़ी शर्तें रखीं। खर्च को घटाने के लिए टोयोटा को छंटनी करनी पड़ी। इससे कर्मचारियों में गुस्सा बढ़ा और उन्होंने हड़ताल शुरू कर दी। करीब दो महीने हड़ताल चली। इसके बाद कंपनी के मैनेजेंट में बदलाव किया गया।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी बनी : धीरे-धीरे कंपनी ने लग्जरी कारों के ब्रैंड जैसे लेक्सस की शुरुआत की। साल 2000 में टोयोटा ने कई कंपनियों के साथ मिलकर कारोबार को बढ़ाना शुरू किया। इसके बाद कंपनी ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वर्तमान में Volkswagen के बाद टोयोटा दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी है।

भारत की शतकीय पारी और विज्ञान: विकसित देश होने की राह पर

जालंधर ब्रीज. 15 अगस्त, 2022 को जब भारत ने आजादी के 75 वर्ष पूरे कर लिये, उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हम सबका आह्वान किया था कि हम उस यात्रा में शामिल हो जायें, जिसमें भारत 2047 तक एक विकसित देश के रूप में परिवर्तित हो जायेगा। यही वह वक्त है, जब एक आजाद देश के रूप में भारत अपनी शतकीय पारी पूरी करेगा। प्रधानमंत्री के वक्तव्य की मुख्य विशेषताओं में इस यात्रा के तीन पड़ावों का जिक्र था - यह तथ्य कि हम आकांक्षी समाज बन गये हैं, यह कि अब भारतीयों में सांस्कृतिक व सभ्यतामूलक पुनर्जागरण हो रहा है और यह कि विश्व में हम अपना अधिकारपूर्ण स्थान प्राप्त करने का जो दावा कर रहे हैं, उसे अब पूरी दुनिया गंभीरता से ले रही है। हर चीज की योजना के लिये 25 वर्षों का समय कोई लंबा समय नहीं होता और यह बिलकुल साफ है कि विज्ञान व प्रौद्योगिकी में ठोस प्रगति किये बिना, 'विकसित' होने के इस तमगे को प्राप्त करना कठिन होगा। अगर विकसित देश का दर्जा हासिल करना है, तो भारतीय विज्ञान के लिये उसी के अनुरूप ठोस रोडमैप तैयार करना होगा। पिछले सप्ताह बाली, इंडोनेशिया में जी-20 की अध्यक्षता प्राप्त करते समय इन मुद्दों को रेखांकित किया गया था। विशेष रूप से देखा जाये, तो विज्ञान-20 या एस-20 साइंस इंगेजमेन्ट ग्रुप को सरकार ने स्थापित किया है। बिना वक्त गंवाये, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने एस-20 शिखर बैठकों की तैयारी का जायजा लेने के लिये एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। एस-20 शिखर बैठक अगले वर्ष कोयंबटूर में होगी, जिसकी विषयवस्तु 'डिसरप्टिव साइंस फॉर इनोवेटिव एंड सस्टेनेबल गोल' है। इस शिखर बैठक के दौरान 'रिसर्च इनोवेशन इनीशियेटेड गैदरिंग' (आरआईआईजी) विषय पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। आरआईआईजी बैठक के उप-विषयों में सतत ऊर्जा के लिये सामग्रियां, वैज्ञानिक चुनौतियां व सतत ब्लू इकोनॉमी, जैव-विविधता और जैव-अर्थव्यवस्था की प्राप्ति के लिये अवसर तथा ऊर्जा अंतरण के लिये आर्थिक-नवोन्मेष शामिल हैं। सरकार को उम्मीद है कि शिखर बैठक सहयोगात्मक वातावरण को बढ़ावा देगी, जहां पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के लिये प्रारूपों को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, वैश्विक स्टार्ट-अप इको-प्रणाली की रचना तथा आईपी शेयरिंग पर आग्रह एजेंडा का हिस्सा होंगे।

गौतम आर. देसिराजू इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, विज्ञान में सेवारत हैं और भारत सरकार के एस-20 इंगेजमेन्ट ग्रुप के सदस्य हैं।

विश्व मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने में हमें कई दशक लगे हैं। अगले वर्ष, जब भारत जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, तब हमारे पास यह शानदार अवसर होगा कि हम आगे की राह दिखायें तथा तकनीकी आत्मनिर्भरता और विदेशी सोर्सिंग के बीच संतुलन बिठा सकें। एक प्रधानमंत्री का कर्तव्य होता है कि वह एक राष्ट्रीय परिकल्पना प्रस्तुत करे। इस क्रम में प्रतिष्ठित प्रधानमंत्रियों ने अतीत में जय जवान, जय किसान और जय विज्ञान के रूप में इसे प्रस्तुत किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने इसमें अब जय अनुसंधान को जोड़ दिया है। विज्ञान और शोधात्मक नवोन्मेष बहुत महत्त्वपूर्ण हो गये हैं। वे निरंतरता और समावेशिता के मद्देनजर जन-परिवेश में भी शामिल हो गये हैं। यह बहुत खास बिंदु है, क्योंकि कोई भी देश मात्र समान उच्च जीवन मानकों के बल पर विकसित अर्थव्यवस्था नहीं बना है। उसके लिये विज्ञान और अनुसंधान व विकास प्रक्रिया में भारी निवेश भी करना पड़ता है, जिसके तहत विज्ञान प्रयोगशालाओं से निकलकर जन-मानस तक पहुंच जाता है। हमारे औपनिवेशिक दुर्भाग्य ने हमें विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा को पश्चिम की तुलना में 150 वर्ष तथा चीन की तुलना में मोटे तौर पर 30 वर्ष पीछे कर दिया। हमने जो 25-वर्षीय योजना बनाई है, उसे हासिल किया जा सकता है - लेकिन यह तभी होगा, जब हम बिलकुल सटीक रणनीति के साथ योजना बनायेंगे और उस पर अमल करेंगे।

आंकड़ों के आधार पर देखें, तो इस वर्ष ~7.8 प्रतिशत की विकास दर के बल पर वर्ष 2026-27 तक (यदि तेल की कीमतों में कोई भारी उलट-फेर न हो) हम पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे। जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा तक संभावित पहुंच के कारण सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि हम 2031-32 तक 9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तथा 2047 तक 40 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकते हैं। इस स्थिति में हम सिर्फ पीपीपी नंबरों के आधार पर नहीं, बल्कि पूर्ण मौद्रिक संदर्भों में दुनिया के तीन सर्वोच्च देशों में शामिल हो जायेंगे।

2047 का लक्ष्य हासिल करने के लिये हमें क्या करना होगा? आर. जगन्नाथ और आशीष चंदोरकर ने स्वराज्य में जो लिखा है, हमें उस पर ध्यान देना होगा। इसके अतिरिक्त, मैं इसमें शिक्षा, फार्मा व महिला स्वास्थ्य सहित स्वास्थ्य, निर्यात, मांग-आपूर्ति के असंतुलन पर ध्यान देना, उर्वरक सहित पोषण, समुद्री और ध्रुवीय अनुसंधान सहित जल, जलवायु परिवर्तन, जिनोमिक्स, नैनोमेटीरियल सहित उन्नत पदार्थ, रोबोटिक्स, विद्युत और सौर ऊर्जा चालित वाहन, ड्रोन, वाह्य अंतरिक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी को आमतौर पर जोड़ना चाहूंगा। इसमें कुछ जरूरी सेक्टरों को भी जोड़ना उचित होगा, जहां विशेषज्ञों द्वारा संचालित वैज्ञानिक कार्य-पद्धति को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धात्मक प्रौद्योगिकी में बदलना शामिल है। विकसित देश बनने की सीढ़ी चढ़ते वक्त उद्योग को केंद्रीय भूमिका अदा करनी होगी, जिसमें सरकार मुख्य तथा सुविधा प्रदान करने वाली भूमिका में होगी। इन सबको वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के संदर्भ में लेना होगा। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला देशों के बीच एक नये युद्ध का औजार बन चुकी है - जिसे हम ठंडे स्थान पर गर्म युद्ध कह सकते हैं।

25 वर्ष की इस छोटी सी अवधि को मद्देनजर रखते हुये, हम कुछ अड़चन वाले क्षेत्रों में आयातित समाधानों की उपेक्षा नहीं कर सकते। इसके लिये भारत के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुये सोची-समझी विदेश नीति की जरूरत है। हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि कोई भी देश परिस्थितियों को देखते हुये मित्र भी हो सकता है, तटस्थ हो सकता है या विरोधी भी हो सकता है। आर्थिक मोर्चे पर, तकनीकी मामलों को आगे बढ़ने, कौशल विकास, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बौद्धिकता तथा आपूर्ति श्रृंखला की खामियों पर भी ध्यान देना होगा; यह भारी-भरकम पैकेज है। गैर-आर्थिक, गैर-वैज्ञानिक मामले भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं हैं। इन पर फौरन ध्यान देना होगा, वरना ये मुद्दे तकनीकी प्रगति के सारे प्रयासों को कमजोर कर सकते हैं। जगन्नाथन ने सात आपात मुद्दों की सूची बनाई है, जिन पर फौरन ध्यान जरूरी है: न्यायिक सेवा और कानून लागू करने की प्रक्रिया में सुधार; प्रशासनिक सुधार; उपरोक्त "ठंडे स्थानों पर गर्म युद्ध" को ध्यान में रखते हुये रक्षा सुधार तथा युद्ध में कृत्रिम बौद्धिकता का उपयोग; गहरे और आपाद संवैधानिक संशोधन, जिसके लिये संविधान सभा जैसी व्यवस्था दरकार हो; चुनाव सुधार, जो बुनियाद में बैठे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाये; सभ्यता सम्बंधी कामों को दोबारा करना; भारत की अस्मिता के साथ भारत के पुनर्जागरण का एकीकरण और अंत में केंद्र तथा राज्यों के बीच शक्तियों का विकेंद्रीकरण। इनमें से कुछ मुद्दे अन्यों की अपेक्षा भारतीय वैज्ञानिक क्रांति को ज्यादा प्रभावित करते हैं, लेकिन कोई भी गैर-जरूरी नहीं है। अपने मौजूदा प्रशासनिक और प्रबंधन ढांचे को देखते हुये हम कैसे इस महत्त्वाकांक्षी सूची में दर्ज मामलों को पूरा करेंगे? प्रगति का एक महत्त्वपूर्ण अंग है शिक्षा का उचित प्रबंधन। भारत की आजादी के बाद से जितनी भी सरकारें आईं, उन सबने सबको शिक्षा को सुगम बनाने का मार्ग बनाया। आईआईएससी, आईआईटी और आईआईएम जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों ने दुनिया के सामने यह झांकी पेश की कि भारत क्या-कुछ करने की क्षमता रखता है। इस सबके बावजूद हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिये तथा उसके लिये आमूल अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिये अभी बहुत-कुछ करने की जरूरत है। इस समय हमें पूरी तरह उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की जरूरत है, यदि आवश्यक हुआ तो निजी विश्वविद्यालयों में। वैज्ञानिक उत्कृष्टता के अभाव में, गुणवत्ता व परिमाण की दृष्टि से हमें विकसित देश बनने का कोई मौका नहीं मिल सकता।

इस सम्बंध में, प्रथम चिंता निवेश की है। इस समय हम अपने सकल घरेलू उत्पाद का 0.8 प्रतिशत शिक्षा और अनुसंधान पर खर्च करते हैं। इस आंकड़े को बढ़ाने की जरूरत है, यानी वह सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 3-4 प्रतिशत तो हो। चीन ने 1990 के आसपास ही इस मद में भारी निवेश करना शुरू कर दिया था। इसका नतीजा आज सबके सामने है कि वहां फलता-फूलता वैज्ञानिक इको-सिस्टम मौजूद है। अपनी बहाल होती अर्थव्यवस्था को देखते हुये सरकार के भरोसे ही बैठ रहना, ठीक नहीं होगा। शिक्षा के क्षेत्र में निजी सेक्टर की भूमिका न केवल जरूरी है, बल्कि सजग नियमों के तहत उसे आगे भी बढ़ाना जरूरी है।

शरण शेट्टी स्वराज्य के एसोशियेट संपादक हैं।

बहरहाल, एक और पक्ष भी है, जिस पर विचार करने की जरूरत है। एक बार फिर 25 वर्ष की छोटी सी अवधि को देखते हुये हम कह सकते हैं कि शिक्षा में जो भी बुनियादी बदलाव किया जायेगा, उसके नतीजे 15 वर्षों के बाद ही नजर आयेंगे। इसलिये हमें एक ऐसी रणनीति की फौरन जरूरत है, जो इस समय हमारे पास मौजूद संसाधनों के इस्तेमाल में वृद्धि कर सके। इस बीच, सरकार को भी वित्तपोषण, प्रवेश और प्रशासन के मामले में शिक्षण संस्थानों को चलाने के काम से दूरी बना लेनी चाहिये। केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के बीच की असमानताओं को दूर करना होगा, क्योंकि छात्रों की एक बड़ी तादाद राज्य विश्वविद्यालों में ही पाई जाती है।

भारत ने तय किया है कि 2047 तक वह अपनी बिजली की मांग का 30 प्रतिशत हिस्सा थोरियम से पूरा करेगा। हमारा शस्त्र कार्यक्रम और ऊर्जा आवश्यकता के पास थोरियम प्रौद्योगिकी के रूप में अनुसंधान व विकास में हमारी प्रगति का मजबूत सहारा मौजूद है। यह सब इसलिये संभव हुआ क्योंकि परमाणु ऊर्जा विभाग को यह अनुमति दी गई थी कि वह खुद अपने वैज्ञानिकों (और बहुत छोटी संख्या में छात्र-कर्मचारियों) के समूह का सावधानीपूर्वक चयन करे। जरूरत इस बात की है कि यह प्रावधान समस्त गैर-शैक्षणिक वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं और संस्थानों पर लागू किया जाये, जिनके पास फौरन अपनाने योग्य प्रौद्योगिकियों, सामरिक सुरक्षा और उत्पादों व सेवाओं में विज्ञान के तीव्र निरूपण का दायित्व है।

कब, क्या और कैसे की परिभाषित करने के बाद अब जरूरत है राजनीतिक इच्छा-शक्ति की, ताकि इन बदलावों को आकार दिया जा सके। इसके आधार पर हम दुनिया में वास्तविक रूप से विकसित राष्ट्र के रूप में 2047 तक अपना सिर गर्व से ऊंचा कर पायेंगे। हम इस आलेख की तैयारी में समय पर दिये गये सहयोग के लिये दीखित भट्टाचार्य को धन्यवाद देते हैं।

महामारी काल में अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ा, जिसका बोझ महिलाओं को अधिक अनुपात में सहन करना पड़ा

जालंधर ब्रीज. कोविड-19 महामारी ने हमें वैश्विक जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में चुनौतियों और कमियों के प्रति सचेत किया है। महामारी के सदमे ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों को समान रूप से प्रभावित किया। वैज्ञानिक समुदाय, स्वास्थ्यकर्मियों, नीति निर्माताओं, जागरूक नागरिकों के अथक और सहयोग से जुड़े प्रयासों के कारण, हम अब काफी हद तक इससे उबर चुके हैं। हालाँकि, दुनिया भर कुछ घटनाक्रमों, जैसे मुद्रास्फीति की उच्च दर और रूस-यूक्रेन संघर्ष, के कारण स्थितियों के सामान्य होने में बाधायें उत्पन्न हुई हैं। श्रमिकों और कंपनियों के कुछ समूहों पर अनुपात से अधिक कुप्रभाव के कारण श्रम बाजार की असमानताओं में भी वृद्धि हुई है, जिसने विकसित तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच अंतर को और बढ़ाया है। इसके साथ ही, सरकारों और नागरिक समाज के समन्वित प्रयासों ने संसाधनों के समान वितरण के लिए एक सेतु का काम किया है।

उदाहरण के लिए, सामाजिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान से, खासकर लॉकडाउन अवधि के दौरान, लोगों को इस कठिन समय का मुकाबला करने में मदद मिली। यह उन श्रमिकों के लिए भी सहायक था, जिनकी या तो नौकरी चली गई थी या उन्हें वेतन में कटौती का सामना करना पड़ रहा था। सरकार और नागरिक समाज के बीच यह सामंजस्य, न केवल संकट को कम करने में सहायक सिद्ध हुआ, बल्कि इसने नीतिगत योजनायें भी तैयार की, जो दीर्घकालिक राहत प्रदान करने में सफल रहीं। हालांकि, अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। भारत की जी20 अध्यक्षता; स्थिति का जायजा लेने, इन चुनौतियों की गंभीरता का आकलन करने और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारी प्रतिबद्धताओं के नवीनीकरण का अवसर प्रदान करती है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एक मजबूत सुधार के बावजूद, वैश्विक स्तर पर काम के घंटों की संख्या, पूर्व-कोविड स्तरों से 1.5 प्रतिशत नीचे बनी हुई है। यह लगभग 40 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियों की हानि के बराबर है। इसके अतिरिक्त, अंतर्राष्ट्रीय श्रम बाजार में भी भिन्नताएं बढ़ रहीं हैं। उदाहरण के लिए, सेवा प्रदाता और सेल्स जैसे "निम्न और मध्यम कुशल" नौकरियों की तुलना में "उच्च कुशल, उच्च भुगतान वाले" व्यवसायों में मजबूत वापसी हुई है। इन घटनाक्रमों से असमानता प्रत्यक्ष रूप से बढ़ी है तथा गरीब एवं वंचित समुदाय; और गरीब हो रहे हैं तथा हाशिए पर जाने के लिए बाध्य हैं। महामारी के कारण देखभाल (कार्य) अर्थव्यवस्था पर भी बहुत प्रभाव पड़ा, जिसका बोझ महिलाओं को अधिक अनुपात में सहन करना पड़ा। इन मुद्दों की पहचान करना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो हमें संरचनात्मक और प्रणालीगत समाधानों पर रणनीतिक रूप से विचार-विमर्श करने की सुविधा देगा तथा जो त्वरित और समावेशी वापसी (रिकवरी) के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेंगे। इस संदर्भ में, कार्रवाई-उन्मुख लक्ष्यों के आधार पर काम करना समय की मांग है - एक ऐसा अवसर, जो जी20 सभी हितधारकों को प्रदान करता है। जी-20 की बैठक आम सहमति बनाने और उन मुद्दों पर मिलकर काम करने के लिए बेहद उपयुक्त समय पर हो रही है, जो न केवल सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने, बल्कि सभी क्षेत्रों को सहनीय बनाने के लिए भी आवश्यक हैं। यह वैश्विक श्रम बाजार के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहां बदलती कार्यप्रणाली और आर्थिक अस्थिरता, श्रमिक वर्ग को कमजोर बनाती है। इन उद्देश्यों को देखते हुए, श्रम-20 (एल-20) सभी ट्रेड यूनियनों के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम मुद्दों और सामाजिक श्रम आंदोलनों पर विचार-विमर्श करने का एक मंच बन जाएगा तथा यह मंच बाद में उन समाधानों को सामने रखेगा, जिन पर राष्ट्रीय संदर्भों में कार्रवाई की जा सकती है। एल-20 के विशेष ध्यान का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है - दुनिया भर में श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और संरक्षा का कवरेज बढ़ाना। सामाजिक सुरक्षा एक गतिशील अवधारणा है, जिसके स्वरूप और जिसकी परिभाषा में समय के साथ बदलाव हुए हैं। तेजी से हुए तकनीकी बदलावों ने सामाजिक सुरक्षा और संरक्षा के नए आयामों का पता लगाना आवश्यक बना दिया है।

'गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्क' की शुरुआत के साथ, कंपनियों की जीवन-अवधि छोटी होती जा रही है और एक नए प्रकार का नियोक्ता-कर्मचारी संबंध विकसित हो रहा है, जिसके बारे जानकारी व समझ अभी भी प्रारंभिक चरण में है। रोजगार से जुड़े सामाजिक सुरक्षा के नियम, जो पहली औद्योगिक क्रांति के बाद उभरे थे और जो दूसरी औद्योगिक क्रांति के दौरान परिपक्व हुए, उन्हें उद्योग 4.0 के युग में फिर से लिखे जाने की आवश्यकता है। जी20 के विभिन्न कार्य और विचार-विमर्श समूहों ने उपरोक्त मुद्दों पर चर्चा की है। हाल ही में बाली, इंडोनेशिया के जी20 'राजनेताओं की घोषणा' में तथा अन्य दस्तावेजों में भी इनका उल्लेख किया गया है। इन महत्वपूर्ण चिंताओं पर ध्यान देने और कार्रवाई योग्य लक्ष्यों को रेखांकित करने के लिए जी20 के तहत नीति वक्तव्य और फ्रेमवर्क विकसित किए गए हैं। कोविड-19 महामारी से रिकवरी को बढ़ावा देने के लिए एल-20 के प्रतिनिधि समग्र रणनीतियों की अवधारणा को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से बैठक में भाग लेंगे। श्रमिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक व्यवधानों से भी संरक्षित करने की आवश्यकता है।

हिरण्मय पंड्या, अध्यक्ष, भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस); और श्रम-20 के अध्यक्ष

इस संदर्भ में; आगे की कार्ययोजना, अब तक की उपलब्धियों की पड़ताल करने और उन मुद्दों की पहचान करने से जुड़ी है, जहां अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, शिक्षा और कौशल स्तर, महिला श्रम बल भागीदारी, सामाजिक सुरक्षा कवरेज, जनसांख्यिकीय चरण आदि के सन्दर्भ में देशों के बीच भारी अंतर मौजूद है। हम विभिन्न अनुभवों के साथ यहां आते हैं और यही हमारी ताकत है। वैश्विक कौशल अंतर, रोजगार के नए रूप, गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था का उदय, प्रभावी सामाजिक सुरक्षा का विस्तार, सामाजिक सुरक्षा का स्थायी वित्तपोषण और अंतर्राष्ट्रीय श्रम बल गतिशीलता के मुद्दों पर हम सभी को कुछ योगदान देना है। इन मुद्दों के बीच, जी20 प्रक्रियाओं और एल-20 जैसे विचार-विमर्श समूहों की भागीदारी को आपस में जोड़ने वाले घटक, श्रम कल्याण की प्रगति से जुड़ी प्रतिबद्धता को सशक्त बना रहे हैं और इन्हें 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के विज़न में निहित समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों से मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है।

भाषण दूसरों को देने के लिए होते है खुद पर लागू नहीं होते

अब देखना होगा कि डिप्टी कमिश्नर द्वारा नियुक्त की गई तीन मैंबरी कमेटी क्या नतीजा निकालती है ?

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

आम आदमी पार्टी की सरकार में अफसरों ने जैसे ठान ही लिया हो कि सरकार को किसी तरह फेल करना है, ऐसा लोगों की दुख तकलीफों को देख कर लगता है। जिस बदलाव का सपना देखकर उन्होंने आम आदमी पार्टी की सरकार को सत्ता पर बिठाया था। उसका परिणाम उल्टा अफसरों द्वारा लोगों को सताया जा रहा है। शहरों की हालत इतनी खस्ता कर दी गई है कि हर तरफ गड्ढे ही गड्ढे हैं। ऐसे में गाड़ियों की आवाजाही के कारण धुल ही धुल नज़र आती है और क्वालिटी एयर इंडेक्स की ड्रामेबाज़ी करने वाले प्रदूषण विभाग के अफसर मौन धारण किए हुए हैं।

प्रदूषण के कारण लोग एलर्जी की बिमारी से पीड़ित होकर डॉक्टरों के पास धक्के खाने को मज़बूर हो रहे हैं। वहीं प्रदूषण विभाग का ध्यान सिर्फ रोज़गार देने वाले उद्योगपतियों पर ही रहता है कि कैसे प्रदूषण संबंधी कोई बहाना बनाया जाए और उन उद्योगपतियों की जेब ढीली की जाए। हालांकि उद्योगपति तो कुछ हद तक गलत कर रहा होगा परन्तू प्रदूषण विभाग नहरों में बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड और केमिकल ऑक्सीजन डिमांड बढ़ने के लिए खुद जिम्मेवार हैं।

इसके सूरतेहाल को समझना हो तो डीएवी कॉलेज से लेकर बस्ती बावा खेल नहर के हालात को देखकर खुद ही अंदाज़ा लगाया जा सकता है। जिसको कैनाल रोड भी कहा जाता है। सबसे हैरानी की बात तो यह है कि पर्यावरण प्रेमी संत सीचेवाल भी सिस्टम का हिस्सा बन चुके हैं परन्तु उनके भी बस की बात नज़र नहीं आती और पर्यावरण मंत्री जिनसे पहले ही शिक्षा विभाग वापिस ले लिया गया ऐसे में अगर शहरों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, नहरों की गंदगी का कुछ ठोस समाधान नहीं निकाल सके तो यह विभाग भी उनके हाथ से जाता नजर आ रहा है। अब आने वाला समय ही बताएगा कि शहर में गंदगी और प्रदूषण के स्तर में कितना सुधार आया है और डिप्टी कमिश्नर द्वारा नियुक्त की गई तीन मैंबरी कमेटी का क्या नतीजा निकलता है।

स्वच्छ भारत मिशन पंजाब में पूरी तरह फेल

• जालंधर ब्रीज. जालंधर

आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी स्वच्छता को तरस रहे लोग

भारत में सबसे ज्यादा लोगों की मौत गंदगी की वजह से होती है। जिसका मुख्य कारण केंद्र की स्वच्छ भारत योजना की राज्य सरकारों द्वारा अनदेखी करना है। राज्य सरकार स्वच्छता के मामले में पूरी तरह से फेल साबित हो रही है।

निकाय विभाग द्वारा स्वच्छ भारत योजना को जमीनी स्तर पर लागू करवाना था जो कि सीधा

पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को जवाबदेह है, परन्तु ऐसा देखा जा रहा है किसी को पर्यावरण की स्वच्छता की परवाह नहीं है।

राज्यों के प्रदूषण विभाग हमेशा वातावरण को दूषित करने के लिए किसानों को दोष देते रहते हैं जिसका हवाला क्वालिटी एयर इंडेक्स के माध्यम से समाचार पत्रों व सोशल मीडिया में दिया जाता है। धुएं की वजह से लोगों को सांस लेने में तकलीफ होती है, लेकिन किसान पराली को न जलाए इसका समाधान किसानों को नहीं दिया गया, और जिसका समाधान है उसको प्रदूषण विभाग के भ्रष्ट अफसर, नगर निगम से लागू करवाने में बिल्कुल सक्षम हो रहे हैं। तो आखर शहरों और गांवों में रोज़ किसी न किसी इलाके निवासियों द्वारा खुले में कूड़ा फेंकने को लेकर धरना दिया जा रहा है। नगर निगम के अफसरों की कहानी से डर नहीं लगता परन्तु उनके भी गुरु प्रदूषण कंट्रोल विभाग के अफसर हैं जिनका ध्यान उद्योगपतियों को नोटिस जारी कर नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) को एवज में मोटे पैसे ऐंठने की तरफ लगा रहता है जो कि सरकार को करोड़ों रुपए अदा करके भी इन्हें दफ्तरों के चक्कर काटने हैं।

• जालंधर-पानीपत नेशनल हाईवे पर और फगवाड़ा में लवली यूनीवर्सिटी के साथ लगते गांव चहेडू में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर।

बीरतलब है कि शहरों और गांवों में बढ़ रही गंदगी के कारण फल रहे डेंगू मच्छर व बीमारियों की रोकथाम के कार्यों पर ध्यान न देकर जहां से उन भ्रष्ट अफसरों को काली कमाई हो रही हो, उन्हीं कामों में लगे रहना इनका समर्पित काम हो गया है जिससे न सिर्फ इलाकावासी परेशान हैं बल्कि पूरे शहर का ही बेड़ा गर्क हो रहा है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट 2016 कानून को प्रदूषण विभाग नगर निगम से लागू करवाने में पूरी तरह फेल साबित हुआ है। समय रहते अगर अफसरों ने अपने रवैये को नहीं बदला और कूड़े का कोई उचित समाधान नहीं किया गया तो दिल्ली जैसे कूड़े का पहाड़ बनते देर नहीं लगेगी।

जालंधर ब्रीज के पिछले अंक में प्रकाशित खबर की कटिंग

जनता की मोदी के प्रति अगाढ़ आस्था की बदौलत बीजेपी ने गुजरात में रचा नया कीर्तिमान : अश्वनी शर्मा

• **जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़**

गुजरात विधानसभा चुनाव में वहां की जनता द्वारा भाजपा के 27 वर्षों के सुशासन तथा प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी के देश के हित्त में लिए ठोस व निर्णायक निर्णयों एवं जन-कल्याणकारी नीतियों पर फिर से निर्णायक भरोसा जताते हुए भारतीय जाना पार्टी को 155 से अधिक सीटों पर बहुमत देकर विजयी बनाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने गुजरात की जनता को कोटि-कोटि धन्यवाद किया तथा भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई दी। अश्वनी शर्मा ने जारी अपने ब्यान में कहा कि भाजपा को मिले प्रचंड बहुतमत से एक बार फिर से यह स्पष्ट है हो गया है कि जनता विश्व-विख्यात तथा देश के सर्वाधिक प्रिय प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी पर अटूट विश्वास करती है और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भारत को विश्व-गुरु व विश्व-शक्ति बनाने के देखे सपने को सच करने के लिए उनके साथ कंधे से कन्धा मिला कर चलने के लिए तैयार है और देश की व अपनी उन्नति चाहती है। भाजपा ने गुजरात में लगातार सातवीं बार जनता के समर्थन से विजय पताका लहराई है।

गुजरात की जनता ने पीएम मोदी पर एक बार फिर भरोसा दिखाया है और उन्होंने विकास के नाम पर वोट दिया है। गुजरात में बीजेपी ने सभी मुख्यमंत्रियों के नेतृत्व में जो विकास किया है, जनता ने उस पर फिर एक बार मोहर लगाई है। अश्वनी शर्मा ने कहा कि गुजरात चुनाव परिणामों ने कई चुनावी विश्लेषकों के अनुमानों को गलत साबित कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी शुरू से कहती आई है कि इस बार 150 पार और जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर फिर से अपना विश्वास जताते हुए भाजपा को बहुमत देकर गुजरात की कमान फिर से भाजपा को सौंपी है। जनता ने प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी की जन-कल्याणकारी नीतियों को समर्थन दिया है। शर्मा ने कहा कि शर्मा ने कहा कि हिमाचल में जनता ने हमेशा पाँच वर्षों में सत्ता में बदलाव किया है। हिमाचल प्रदेश के नतीजों में हालाँकि भाजपा सत्ता से बाहर हुई है, लेकिन एंटी-कन्पैन्सी वेव के बाद भी कांग्रेस को मज़बूत टक्कर देते हुए मज़बूत प्रतिद्वंधी तथा मज़बूत विपक्ष के रूप में मैदान में है। शर्मा ने कहा कि दोनों राज्यों में आप का सूपड़ा साफ़ हो गया है। इससे यह बात स्पष्ट है कि जनता आप के झूठ और झूठे वादों पर भरोसा नहीं करती और जनता ने उन्हें सच का आईना दिखाया है। अश्वनी शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पंजाब में होने वाले निकाय चुनाव तथा 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता के बहुमत से प्रधन्मन्त्रिउ नरेंदर मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर से जीत हासिल करेगी।

कपूरथला का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पूरी क्षमता से चल रहा है : कमिश्नर नगर निगम

• **जालंधर ब्रीज.कपूरथला**

नगर निगम कपूरथला की कमिश्नर अनुपर कलेर ने कहा है कि कपूरथला में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पूरी क्षमता से चालू हालत में है। उन्होंने मीडिया में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के 6 साल से बंद होने संबंधी प्रकाशित जानकारी पर बोलते हुए कहा कि उन्होंने निजी तौर पर 2 दिन पहले ही कपूरथला के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा कर पानी को साफ करने की विधि का जायजा लिया है।

कलेर ने यह भी कहा कि काली वेई में आने वाले पानी को रोकने के लिए नगर निगम द्वारा गंभीर प्रयास किए जा रहे है और इस संबंध में वह नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की निगरान कमेटी की देख-रेख में भी काम करने के साथ प्लांट

का दौरा भी किया गया था। कलेर ने स्पष्ट किया कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के कामकाज के संबंध में लगातार एनजीटी की निगरान समिति को रिपोर्ट दी जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि कांजली रोड पर नहर में गिरने वाले पानी को रोकने के लिए नगर निगम चालू सप्ताह के भीतर पुख्ता इंतजाम किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि वेई की न केवल हमारे लिए धार्मिक महत्ता है बल्कि कपूरथला शहर और आसपास के इलाकों में भूमिगत जल के लिए इसकी सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

होशियारपुर से संबंधित प्रवासी भारतीयों के साथ मिलनी जालंधर में 16 को

• **जालंधर ब्रीज.होशियारपुर**

मुख्य मंत्री पंजाब भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की ओर से प्रवासी भारतीयों के मसलों व शिकायतों के तसल्लीबख्श ढंग से निपटारे के लिए 'पंजाबी एन.आर.आईज के मिलनी' नामक प्रोग्राम पंजाब के एन.आर.आई मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल की अध्यक्षता में जालंधर में 16 दिसंबर को करवाया जा रहा है।

डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने बताया कि इस मिलनी में दोआबा के जिला होशियारपुर, जालंधर, कपूरथला व शहीद भगत सिंह नगर से संबंधित प्रवासी भारतीयों की शिकायतों के मसले सुन कर संबंधित अधिकारियों को निपटारे के लिए निर्देश जारी किए जाएंगे।

बीसीसीआई ने अगले वर्ष होने वाली सभी सीरीज का शेड्यूल किया जारी

ये है पूरा शेड्यूल

3 जनवरी (मुंबई)- भारत बनाम श्रीलंका पहला टी20
5 जनवरी (पुणे)- भारत बनाम श्रीलंका दूसरा टी20
7 जनवरी (राजकोट)- भारत बनाम श्रीलंका तीसरा टी20
10 जनवरी (गुवाहाटी)- भारत बनाम श्रीलंका पहला वनडे
12 जनवरी (कोलकाता)- भारत बनाम श्रीलंका दूसरा वनडे
15 जनवरी (तिरुवनंतपुरम)- भारत बनाम श्रीलंका तीसरा वनडे

न्यूजीलैंड का भारत दौरा

18 जनवरी (हैदराबाद)- भारत बनाम न्यूजीलैंड पहला वनडे
21 जनवरी (रायपुर)- भारत बनाम न्यूजीलैंड दूसरा वनडे
24 जनवरी (इंदौर)- भारत बनाम न्यूजीलैंड तीसरा वनडे
27 जनवरी (रांची)- भारत बनाम न्यूजीलैंड पहला टी20
29 जनवरी (लखनऊ)- भारत बनाम न्यूजीलैंड दूसरा टी20
1 फरवरी (अहमदाबाद)- भारत बनाम न्यूजीलैंड तीसरा टी20

ऑस्ट्रेलिया भारत दौरा

9-13 फरवरी (नागपुर) - भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया पहला टेस्ट
17-21 फरवरी (दिल्ली) - भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट
1-5 मार्च (धर्मशाला) - भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया तीसरा टेस्ट
9-13 मार्च (अहमदाबाद) - भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया चौथा टेस्ट
17 मार्च (मुंबई)- भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया पहला वनडे
19 मार्च (विशाखापत्तनम)- भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया दूसरा वनडे
22 मार्च (चेन्नई)- भारत बनाम ऑस्ट्रेलियालैंड तीसरा वनडे

मुंबई. अगले साल जनवरी महीने में भारत का दौरा न्यूजीलैंड और श्रीलंका की टीम करेगी। इसके अलावा फरवरी के महीने में ऑस्ट्रेलियन टीम भी भारत का दौरा करेगी। वर्तमान में भारतीय टीम बांग्लादेश में मेजबान के साथ एक दिवसीय सीरीज खेल रही है, जो भारत के हाथ से जा चुकी है। वहीं बीसीसीआई ने अगले वर्ष होने वाली सभी सीरीज का शेड्यूल जारी कर दिया है। अगले वर्ष के शुरुआती तीन महीनों के दौरान भारतीय टीम लगातार सीरीज में व्यस्त रहने वाली है।भारतीय टीम को लगातार तीन देशों के साथ मुकाबले खेलने है। ये मुकाबले मार्च तक आयोजित किए जाएंगे।

बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए शेड्यूल के मुताबिक भारतीय टीम आने वाले दिनों में श्रीलंका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीम के साथ भिड़ेगी। श्रीलंका और न्यूजीलैंड की टीम जनवरी में भारत आएगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम फरवरी और मार्च महीने में भारत का दौरा करेगी।

श्रीलंका के साथ होगी शुरुआत : भारतीय टीम जनवरी 2023 में सबसे पहले श्रीलंका की टीम के साथ भिड़ेगी। श्रीलंका और भारत के बीच तीन टी20 और तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं न्यूजीलैंड के साथ भी तीन वनडे और टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद फरवरी और मार्च महीने में ऑस्ट्रेलिया का दौरा होना है। ऑस्ट्रेलिया के साथ भारतीय टीम को चार टेस्ट मुकाबलों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी। इसके बाद तीन वनडे मुकाबले भी खेले जाएंगे।

गुजरात में चुनावी प्रदर्शन के आधार पर आप पार्टी को मिला राष्ट्रीय दल का दर्जा : एडवोकेट हेमंत

• **जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़**

आम आदमी पार्टी (आप) जिसने बीते कल 7 दिसम्बर को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के आम चुनावों की मतगणना में कुल 250 वार्डों में से 134 वार्डों पर जीत हासिल की थी हालांकि उसने 200 से ऊपर वार्डों में जीत का दावा किया था, ने आज गुजरात विधानसभा आम चुनावों के नतीजों में सीटें जीतने की दृष्टि से अपेक्षाकृत प्रदर्शन तो नहीं किया परन्तु जहाँ तक उसे प्राप्त हुए वोट प्रतिशत का विषय है, तो इस आधार पर आप पार्टी को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल (नेशनल पार्टी) का दर्जा प्राप्त हो गया है।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के एडवोकेट हेमंत कुमार ने बताया कि भारतीय चुनाव आयोग द्वारा बनाये गये चुनाव -चिन्ह (आरक्षण एवं आबंटन) आदेश, 1968, जिसमें समय समय पर संशोधन किया जाता रहता है, के मौजूदा पैरा 6 बी में उल्लेख है कि अगर कोई राजनीतिक दल देश के कम से कम चार राज्यों में मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय दल (स्टेट पार्टी) का दर्जा प्राप्त कर लेता है, तो उसे देश में राष्ट्रीय दल (नेशनल पार्टी) का दर्जा प्राप्त हो जाएगा. ऐसा प्रावधान उपरोक्त वर्ष 1968 के आदेश में वर्ष 2005 में किया गया था। हेमंत ने आगे बताया कि अगर कोई राजनीतिक दल किसी राज्य के विधानसभा आम चुनावों में कम से कम 6 प्रतिशत वोट और कम से कम दो सीटें जीतता है अथवा प्रदेश की कुल विधानसभा सीटों की कम से कम तीन प्रतिशत सीटें जीतता है अथवा एक भी सीट न जीतकर हालांकि पूरे प्रदेश में कुल पड़े वैध मतों के न्यूनतम आठ प्रतिशत वोट हासिल करता है, तो उसे उस प्रदेश में मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय दल का दर्जा प्राप्त हो जाता है।

आज से नौ महीने पूर्व मार्च, 2022 में पंजाब विधानसभा के आम चुनावों में आप पार्टी ने प्रदेश की कुल 117 विधानसभा सीटों में से 92 सीटें अर्थात तीन चौथाई से अधिक सीटों पर बम्पर जीत हासिल की थी। उन चुनावों में उसे 42 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे। पंजाब के साथ ही इस वर्ष गोवा में हुए विधानसभा आम चुनावों में आप पार्टी ने प्रदेश की कुल 40 विधानसभा सीटों में से 2 सीटें और 6 प्रतिशत से ऊपर वोट हासिल किये थे।

आबकारी विभाग और आबकारी पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध संयुक्त मुहिम को किया जायेगा तेज

आम लोगों को अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध जागरूक करने के लिए चलाई जायेगी विशेष जागरूकता मुहिम

• **जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़**

पंजाब के वित्त, आबकारी एवं कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल चीमा के दिशा- निर्देशों पर ए. आई. जी. आबकारी एवं कराधान गुरजोत सिंह कलेर की ओर से अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध आबकारी विभाग और पंजाब पुलिस के सांझे आप्रेशनों में तेजी लाने और इस बुराई विरुद्ध आम लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए पंजाब पुलिस के आबकारी अधिकारियों के साथ मीटिंग की गई। इस मीटिंग संबंधी अधिक जानकारी देते हुए ए. आई. जी. गुरजोत सिंह कलेर ने कहा कि चल रहे आबकारी मामलों की गंभीरता के प्रति आबकारी पुलिस फोर्स को अधिक जागरूक करने, पुलिस और आबकारी अधिकारियों के बीच तालमेल बढ़ाने, चल रही जांचों को और तेज करने, नई चुनौतियों का सामना करने के लिए आबकारी पुलिस को हाईटेक बनाने के लिए विचार विमर्श किया गया और आबकारी कमिश्नर वरुण रूज़म के दिशा- निर्देशों अनुसार संबंधित अधिकारियों को आवश्यक हिदायतें जारी की गई ।

इस संबंधी और जानकारी देते हुए श्री कलेर ने बताया कि मीटिंग के दौरान हिदायतें जारी की गई हैं कि आबकारी विभाग के किसी कर्मचारी या अधिकारी को साथ लिए बिना आबकारी पुलिस छापेमारी नहीं करेगी, ज़िला पुलिस की तर्ज़ पर सभी आबकारी पुलिस इंचार्ज हैड कांस्टेबल के रैंक से ऊपर का एक अफ़सर 24 घंटे ड्यूटी के लिए तैनात करेंगे और उसकी एंट्री डायरी में दर्ज की जायेगी और चार से पाँच पुलिस कर्मचारी एमरजैंसी ड्यूटी के लिए दफ्तर में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि आबकारी पुलिस अधिकारियों को हाई प्रोफाइल मामलों में किसी भी बड़े अपडेट संबंधी सूचना तुरंत हैडक्वाटर के साथ सांझी करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के 'रंगला पंजाब मिशन' को साकार करने के लिए आम लोगों को अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध जागरूक करने की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए कलेर ने कहा कि आबकारी विभाग और आबकारी पुलिस की तरफ से जल्दी ही इस बुराई के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया जायेगा।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.